

Syllabus and Semester Course Scheme
Academic year 2025-26



M.A. – Sanskrit
Exam.-2025- 2026

UNIVERSITY OF KOTA

**MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India**

Website: uok.ac.in

MASTER OF ARTS
SUBJECT - SANSKRIT
SCHEME OF SEMESTER EXAMINATION, 2025-2026
Course Code : SAN 11100 T

Period per week- **06**

Credit - **06**

Each Theory Paper

3 hrs. duration 100 Marks

Internal Assessment

50 Marks

Total = 150 Marks

Continuous Assessment Weightage					External Assessment Weightage	Total Marks (Total Credit)
Regular Students		Private Students		Total	Paper Based External Evaluation (End Term Examination)	
Mid-Term	Seminar/Project Report/Presentation	Report Writing	Viva-voce			
30	20	30	20	50	100	150 (06)

The Master of Arts Sanskrit is a two-year course divided into four- Semesters. A Student is Required to complete 100 Credits for the completion of course and the award of Degree.

M.A. I Semester Programme Structure

Year/ Semester	Serial Number, Code & Nomenclature of Paper			Type of Course / Elective	Teaching Hrs/ Week & Credit			Distribution of Marks			Min.PassMarks	
	Cate gory	Paper/Cour se Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I Year/ I Semester	DCC	I/ SAN 101	वैदिक साहित्य	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	DCC	II/ SAN 102	संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	DCC	III /SAN 103	भारतीय दर्शन	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	DCC	IV/ SAN 104	भाषा-विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
Total					24	-	24	200	400	600		

M.A. II Semester Programme Structure

I Year/ II Semester	DCC	V/ SAN 201	उपनिषद् एवं वेदांग सहित्य	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	DCC	VI/ SAN 202	संस्कृतरूपक(उपरूपक) एवं खण्डकाव्य	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	DCC	VII/ SAN 203	योग, वेदान्त और चार्वाक (नास्तिक) दर्शन	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	DCC	VIII/SAN 204	व्याकरण एवं अनुवाद	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
	AEC	BestChoice CHOI B01	भारतीय ज्ञान परम्परा	EC	2		2	50	50			20
Total					26	-	26	250	450	600		

- विद्यार्थी सीबीसीएस के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा के अतिरिक्त पूल ए के अन्य विषयों में से किसी एक का चयन कर सकता है।

पाठ्यक्रम उद्देश्य

पाठ्यक्रम में संधारित कालजयी संस्कृत कवियों एवं शास्त्रकारों की कृतियों के अध्ययन से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के अवबोधन के साथ ही उनके हृदय में भारतराष्ट्र के प्रति गौरवबोध प्रकट होगा। समसामयिक समाज के सुधार की दिशा में सांस्कृतिक एवं पर्यावरण चेतना जागृत होगी। सनातन धर्म एवं दर्शन के अध्ययन से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। व्याकरण के अध्ययन से भाषा की सरलता एवं शुद्धता का सम्यक् ज्ञान हो सकेगा, जो राष्ट्र के समन्वयवादी विकास की धारा में सहायक सिद्ध होगा।

अधिगम फलितां ।

वैदिक एवं दार्शनिक ज्ञान से सृष्टि की उत्पत्ति के वैज्ञानिक गूढ़ रहस्य का अवबोधन विद्यार्थियों को हो सकेगा। साथ ही काव्य शास्त्र, नाट्य शास्त्र एवं साहित्य की विविध विधाओं के अध्ययन एवं समीक्षण से सामाजिक, नैतिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक चेतना आदि मानवीय जीवन मूल्यों का सम्यक् ज्ञान होगा। भाषा विज्ञान एवं व्याकरण शास्त्र का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं की भुद्धता के ज्ञान के साथ संगणकीय भाषा के विकास के क्षेत्र में सहायक सिद्ध होगा।

एम.ए. सेमेस्टर प्रथम
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य
PaperCode : SAN - 101

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई — ऋग्वेद — अग्नि (1.1), मरुत् (1.85), रुद्र (2.33) उषस् (4.51) वरुण (7.86)
2. द्वितीय इकाई— ऋग्वेद— पुरुश (10.90), हिरण्यगर्भ 10.121, वाक् (10.125), नासदीय (10.129)
3. तृतीय इकाई—यजुर्वेद, अथर्ववेद—शिवसंकल्प सूक्त (34 वां अध्याय), राष्ट्राभिवर्धन सूक्त (1.29), पृथिवी सूक्त (12.1), काल सूक्त (19.53)
4. चतुर्थ इकाई — संवादसूक्त— 1. विश्वामित्र—नदी (3.33), 2. यम—यमी (10.10), 3. पुरुरवा—उर्वशी (10.95)
4. सरमा—पणि (10.108)

5. पंचम इकाई —वेदों का सामान्य परिचय एवं काल निर्णय (मैक्समूलर, जैकोबी, वेबर, बालगंगाधर तिलक, भारतीय परम्परागत विचार, वैदिक व्याख्या पद्धति अथवा प्रथम से चतुर्थ इकाईयों के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न।

विशेष निर्देश— खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम में से दो मंत्रों की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=16 अंक) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय में से एक मंत्र की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं संस्कृत माध्यम से एक सूक्त का सार। (8+8=16 अंक) तृतीय एवं चतुर्थ में से 2-2 मंत्रों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16×2 = 32 अंक)। पंचम इकाई में से एक सामान्य प्रश्न एवं चार में से दो टिप्पणी पूछी जायेगी (8+8 = 16 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन — शैक्षणिक अंश **50 अंक**, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—
विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म)—**30 अंक**
विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. बृहद् ऋक् सूक्तसंग्रह— देवेन्द्रनाथ पाण्डेय जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
2. ऋक् सूक्तसंग्रह — डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ।
3. ऋग्भाष्यसंग्रह — डॉ. देवराज चानना, दिल्ली।
4. वैदिक वाङ्मय एक परिशीलन — ब्रजबिहारी चौबे।
5. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास— डॉ. कपिल देव द्विवेदी।
6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति— डॉ. बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद संस्कृत संस्थान जयपुर।
7. ऋग्वेद भाष्य — स्वामी दयानन्द।
8. वैदिक स्वर मीमांसा — पं. युधिष्ठिर मीमांसक।
9. वैदिक स्वर बोध — ब्रज बिहारी चौबे।
10. वैदिक साहित्य — रामगोविन्द त्रिवेदी।

द्वितीय प्रश्न पत्र — संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका PaperCode : SAN - 102

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई — साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) — प्रथम परिच्छेद (सम्पूर्ण)
2. द्वितीय इकाई — साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) — द्वितीय परिच्छेद (सम्पूर्ण)
3. तृतीय इकाई—साहित्यदर्पण(आचार्य विश्वनाथ)—तृतीय परिच्छेद 1—28 कारिका एवं षष्ठ परिच्छेद 1—30 कारिका
4. चतुर्थ इकाई —हर्षचरितम् (बाणभट्ट) — प्रथम उच्छवास
5. पंचम इकाई —प्राच्य एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (काव्य भास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय एवं अरस्तू का विरेचनवाद , कोचे का अभिव्यंजनावद तथा लॉजाइनस का उदात्तवाद अथवा प्रथम से चतुर्थ इकाइयों के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न।

विशेष निर्देश—खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम में से एक कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक प्रश्न हिन्दी माध्यम से ($8+8=16$ अंक) पूछे जाएंगे। इकाई द्वितीय एवं तृतीय में से 1—1 कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक प्रश्न हिन्दी माध्यम से ($8+8=16 \times 2 = 32$ अंक)। इकाई चतुर्थ में से एक गद्यांश की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक प्रश्न हिन्दी माध्यम से ($8+8=16$ अंक)। इकाई पंचम में से एक सामान्य प्रश्न एवं चार में से दो टिप्पणी पूछी जायेगी। ($8+8=16$ अंक)

आन्तरिक मूल्यांकन —शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—

विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म)—30 अंक

विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = 20 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्य दर्पण —डॉ. निरूपण विद्यालंकार।
2. साहित्य दर्पण — आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमला टीका)।
3. हर्षचरित : एक अध्ययन — डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल।
4. हर्षचरित — पी.वी. काणे।
5. हर्षचरित — एम.आर. काणे।
6. अलंकारशास्त्र का इतिहास— डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार मेरठ।
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र— डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र— भौलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन
PaperCode : SAN - 103

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार हैं—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई — सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) — 1 से 36 कारिका
2. द्वितीय इकाई — सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) — 37 से 72 कारिका
3. तृतीय इकाई — तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) — प्रारम्भ से अनुमान प्रमाण पर्यन्त
4. चतुर्थ इकाई — तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) — उपमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद पर्यन्त
5. पंचम इकाई — अर्थसंग्रह (धर्मलक्षण, वेदलक्षण, विधि, अर्थवाद, निषेध अथवा प्रथम से चतुर्थ इकाइयों के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न)।

विशेष निर्देश—खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम में से एक कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक प्रश्न हिन्दी माध्यम से पूछा जाएगा ($8+8=16$ अंक)। इकाई द्वितीय में से एक कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक प्रश्न हिन्दी माध्यम से ($8+8=16$ अंक)। तृतीय एवं चतुर्थ में से 1-1 वाक्यांशों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं 1-1 प्रश्न हिन्दी माध्यम से ($8+8=16 \times 2 = 32$ अंक)। इकाई पंचम में से एक सामान्य प्रश्न एवं चार में से दो टिप्पणी पूछी जायेगी ($8+8=16$ अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन — शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—

विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) — 30 अंक

विशय आधारित सेमीनार / प्रोजेक्ट रिपोर्ट / प्रस्तुति / मौखिक आदि = 20 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. सांख्यकारिका — डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी।
2. सांख्यकारिका — डॉ. विमला कर्नाटकर।
3. सांख्यतत्त्व कौमुदी — रामशंकर भट्टाचार्य।
4. तर्कभाषा — आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
5. तर्कभाषा — पं. बद्रीनाथ शुक्ल, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6. तर्कभाषा — डॉ. श्रीनिवास शास्त्री।
7. अर्थसंग्रह — डॉ. सत्यप्रकाश शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ।

8. अर्थसंग्रह—डॉ. कामेश्वर नाथ मिश्र, चोखम्भा प्रकाशन वाराणसी।
9. अर्थसंग्रह—M.A.S.A.01 भारतीय दर्शन, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा।
10. भारतीय दर्शन — डॉ. बलदेव उपाध्याय।
11. भारतीय दर्शन — डॉ. उमेश मिश्र, हिन्दी समिति उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ।
12. भारतीय दर्शन — दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)।

चतुर्थ प्रश्न पत्र—भाषा—विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास PaperCode : SAN - 104

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई — भाषा विज्ञान — भाषा विज्ञान का अर्थ, भाषा की उत्पत्ति तथा विकास।
2. द्वितीय इकाई — ध्वनि—विज्ञान, उच्चारण—अवयव, ध्वनि—परिवर्तन के कारण, प्रसिद्ध ध्वनि—नियम।
3. तृतीय इकाई — अर्थ विज्ञान — अर्थ परिवर्तन के कारण एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
4. चतुर्थ इकाई— भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय—परिवार की विशेषताएँ।
केण्टुम—शतम् वर्ग। भारतीय भाषाओं का अध्ययन, वैदिक—लौकिकसंस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ एवं भारतीय लिपियाँ।
5. पंचम इकाई—शास्त्रीय साहित्य का इतिहास वास्तु, ज्योतिष, गणित, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद।

विशेष निर्देश—खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से पंचम तक प्रत्येक इकाई में से 1 सामान्य प्रश्न अथवा 2 टिप्पणी पूछी जायेगी $16 \times 5 = 80$ ।

आन्तरिक मूल्यांकन —शैक्षणिक अंश **50 अंक**, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—

विशय आधारित लिखित परीक्षा(मिड टर्म)—**30 अंक**

विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

- 1.. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र—डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
2. भाषा विज्ञान— देवेन्द्र नाथ भार्मा।
3. भाषा—विज्ञान — भोलानाथ तिवारी।
4. संस्कृत—भाषा—विज्ञान — डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. भाषा का इतिहास — श्री भगवद्दत्त।

6. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन—डॉ. भोला ांकर व्यास, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी ।
7. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास — प्रियव्रत शर्मा ।
8. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास — भगवत राम गुप्त, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी ।
9. भारतीय ज्योतिष — डॉ. नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी ।
10. भारतीय ज्योतिष—डॉ.शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, लखनऊ उ.प्र. ।
11. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी — राजस्थान संस्कृत अकादमी प्रकाशन, जयपुर ।
12. सुगम ज्योतिष प्रवेशिका — गोपेश कुमार ओझा ।
13. वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी — सीताराम शर्मा, राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर ।
14. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, डॉ. रामजी उपाध्याय, देव भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
15. संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. उमाशंकर भार्मा (ऋषि), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी ।

एम.ए. सेमेस्टर द्वितीय
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र —
उपनिषद् एवं वेदांग सहित्य

PaperCode : SAN - 201

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई में से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँचइकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई — कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली)
2. द्वितीय इकाई— कठोपनिषद् (द्वितीय वल्ली)

3. तृतीय इकाई – निरुक्त – यास्क (प्रथम अध्याय)
4. चतुर्थ इकाई – निरुक्त – यास्क (द्वितीय अध्याय)
5. पंचम इकाई – पाणिनीय शिक्षा एवं वेदांगों का सामान्य परिचय अथवा प्रथम से चतुर्थ इकाईयों के पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न।

विशेष निर्देश– खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम में से एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक मंत्र की व्याख्या हिन्दी माध्यम से पूछी जाएगी (8+8=16 अंक)। इकाई द्वितीय में से एक मन्त्र की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं एक प्रश्न हिन्दी माध्यम से पूछा जाएगा (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय में से दो उद्धरणों की हिन्दी व्याख्या पूछी जाएगी (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ में से चार पदों का निर्वचन हिन्दी माध्यम से पूछे जाएंगे (4×4=16 अंक)। इकाई पंचम में से एक हिन्दी व्याख्या एवं चार में से दो टिप्पणी पूछी जायेगी (8+8=16 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–

विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विशय आधारित सेमीनार / प्रोजेक्ट रिपोर्ट / प्रस्तुति / मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. कठोपनिषद् – डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
2. कठोपनिषद् – गीताप्रेस गोरखपुर।
3. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – एस. राधाकृष्णन।
4. निरुक्त – आचार्य विश्वेश्वर।
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी।
6. पाणिनीय शिक्षा – दयानन्द भार्गव, चौखम्भा प्रकाशन वाराणसी।
7. पाणिनीय शिक्षा – अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
8. पाणिनीय शिक्षा – द्विजेन्द्रनाथ मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
9. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी।

द्वितीय प्रश्न पत्र –संस्कृतरूपक(उपरूपक) एवं खण्डकाव्य

PaperCode : SAN - 202

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई — वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 1 से 3 अंक
2. द्वितीय इकाई — वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 4 से 6 अंक
3. तृतीय इकाई — रत्नावली (श्रीहर्षदेवकृत)
4. चतुर्थ इकाई — मेघदूतम् पूर्वमेघ (कालिदास)
5. पंचम इकाई — मेघदूतम् उत्तरमेघ (कालिदास)

विशेष निर्देश— खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय में से 1-1 पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या तथा 1-1 प्रश्न हिन्दी माध्यम से पूछा जायेगा ($8+8=16 \times 3 = 48$ अंक)। इकाई चतुर्थ में से एक पद्य की संस्कृत व्याख्या तथा एक सामान्य प्रश्न हिन्दी माध्यम से ($8+8=16$ अंक)। इकाई पंचम में से एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं दो सूक्तियों की हिन्दी व्याख्या पूछी जायेगी ($8+8=16$ अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन — शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—

विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) — 30 अंक

विशय आधारित सेमिनार / प्रोजेक्ट रिपोर्ट / प्रस्तुति / मौखिक आदि = 20 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. मेघदूतम्— महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
2. मेघदूतम् — डॉ. यशवन्त कुमार जोशी।
3. मेघदूतम् : एक अध्ययन — डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल।
4. मेघदूतम्— प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, निर्मल बुक एजेंसी, कुरुक्षेत्र।
5. वेणीसंहारम्—तारिणीश झा।
6. वेणीसंहारम्— रामदेव झा, एवं आदित्य नारायण पाण्डेय, चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. रत्नावली — रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी।
8. रत्नावली — डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

तृतीय प्रश्न पत्र – योग, वेदान्त और चार्वाक (नास्तिक) दर्शन

PaperCode : SAN - 203

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई – योगसूत्र (पतंजलि कृत) – समाधिपाद
2. द्वितीय इकाई – योगसूत्र (पतंजलि कृत) – साधनपाद .
3. तृतीय इकाई – वेदान्तसार (सदानन्द कृत) – अधिकारी से सूक्ष्मशरीर
4. चतुर्थ इकाई – वेदान्तसार (सदानन्द कृत) – पंचीकरण से जीवन्मुक्त
5. पंचम इकाई – नास्तिक दर्शन (चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन) सर्वदर्शन संग्रह से पठनीय।

विशेष निर्देश— खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम और द्वितीय में से 1-1 सूत्र की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या एवं 1-1 सामान्य प्रश्न हिन्दी माध्यम ($8+8=16 \times 2 = 32$ अंक)। इकाई तृतीय में से एक संस्कृत व्याख्या एवं एक हिन्दी व्याख्या ($8+8=16$ अंक)। इकाई चतुर्थ में से एक हिन्दी व्याख्या एवं एक सामान्य प्रश्न हिन्दी माध्यम से ($8+8=16$ अंक)। इकाई पंचम में से एक सामान्य प्रश्न एवं दो टिप्पणी पूछी जायेगी ($8+8=16$ अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—

विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – 30 अंक

विशय आधारित सेमिनार / प्रोजेक्ट रिपोर्ट / प्रस्तुति / मौखिक आदि = 20 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. पतंजलि योगसूत्र— चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी।
2. वेदान्तसार – डॉ. शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ।
3. वेदान्तसार – डॉ. कपिल गौतम, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. वेदान्तसार – डॉ. कृष्णकान्त त्रिपाठी, साहित्य भण्डार, मेरठ।
5. वेदान्तसार – डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव।
6. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य, चौखम्बा विद्याभवन प्रकाशन, वाराणसी।
7. सर्वदर्शन संग्रह – डॉ. उमाशंकर शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

चतुर्थ प्रश्न पत्र –व्याकरण एवं अनुवाद
PaperCode : SAN - 204

समय 3 घण्टे

पूर्णांक 100

नोट:— प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है—

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। $10 \times 2 = 20$ अंक

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। $5 \times 16 = 80$ अंक

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा—

1. प्रथम इकाई — लघु सिद्धान्त कौमुदी — प्रक्रिया भाग (णिजन्त से नामधातवः तक)
2. द्वितीय इकाई — लघु सिद्धान्त कौमुदी— प्रक्रिया भाग (आत्मनेपद से लकारार्थ तक)
3. तृतीय इकाई — सिद्धान्त कौमुदी— कारक प्रकरण (कर्ता से सम्प्रदान कारक तक)
4. चतुर्थ इकाई—सिद्धान्त कौमुदी— कारक प्रकरण (अपादान से अधिकरण कारक तक)
5. पंचम इकाई —अनुवाद (अपठित गद्यांश/पद्यांश का हिन्दी से संस्कृत व संस्कृत से हिन्दी)

विशेष निर्देश— खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से चतुर्थ तक के दो-दो भाग होंगे (अ) दो-दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या और (ब) दो-दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि ($2 \times 4 = 8$ एवं $2 \times 4 = 8$) = $16 \times 4 = 64$ अंक। इकाई पंचम में से अपठित एक हिन्दी अवतरण का संस्कृत में अनुवाद तथा एक संस्कृत गद्य अथवा पद्य का हिन्दी में अनुवाद ($8 + 8 = 16$ अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन —भौक्षणिक अंश 50 अंक, जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है—

विशय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म)—30 अंक

विशय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = 20 अंक

सहायक ग्रन्थ :

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी— भीमसेन भास्त्री। भीमसेन भास्त्री प्रभाकर, गान्धीनगर, दिल्ली।
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी— महेश सिंह कुशवाह। चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
3. लघु सिद्धान्त कौमुदी—डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर।
4. एम.ए. संस्कृत—व्याकरण — डॉ. श्रीनिवास शास्त्री। साहित्य भण्डार मेरठ।
5. संस्कृत—व्याकरण प्रवेशिका— डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, साहित्य भण्डार मेरठ।
6. सिद्धान्त कौमुदी— श्री गौपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
7. व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी— डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
8. व्याकरण शास्त्र का इतिहास — युधिष्ठिर मीमांसक, बहालगढ़, जिला— सोनीपत, हरियाणा।

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
(Choice Best Credit System)
पेपर CHOI B01 - भारतीय ज्ञान परम्परा

पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा।

- इकाई – 1. संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् का सामान्य परिचय।
इकाई – 2. व्याकरण भास्त्र (पाणिनि, पतञ्जलि, कात्यायन)
इकाई – 3. काव्य भास्त्र (भरतमुनि, भामह, आनन्दवर्धन, मम्मट एवं विष्णु वनाथ)
इकाई – 4. आयुर्वेद
इकाई – 5. योग

सहायक ग्रन्थ :-

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, भास्त्र निकेतन, वाराणसी।
2. भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा) डॉ. मंगलदेव भास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास—डॉ. उमाशंकर भार्मा 'ऋषि'।
4. अलंकार भास्त्र का इतिहास – डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, विश्व शिक्षा साहित्य प्रकाशन, मेरठ।
5. संस्कृत काव्य भास्त्र और काव्य परम्परा – आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली।
6. प्राचीन भारत का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास – डॉ. निरंजन सिंह योगमणि।
7. योगसूत्र (महर्षि पतञ्जलिकृत), गीता प्रेस, गोरखपुर।
8. आयुर्वेद का इतिहास, डॉ. अनूप कुमार गक्खड़, चौखम्बा पब्लिशिंग वाराणसी।

Course Learning Outcome

(पाठ्यक्रम अधिगम से परिलाभ)

उक्त पाठ्यक्रम के अधिगम से विद्यार्थी भारतीय ज्ञान-परम्परा को आत्मसात् करते हुए आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चेतनाओं से ओतप्रोत होकर एक समुन्नत व्यक्तित्व निर्माण के साथ परिवार, समाज एवं राष्ट्र के विकास पथ पर एक सकारात्मक भूमिका निभाने में सफल होगा।